

Niramaya | Oral narrative for Counselors

निरामाया: के बारे में

निरामाया: उत्तर प्रदेश को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 8 अक्टूबर को लांच किया था। उसके तहत हम आपको नर्सिंग और पैरामेडिकल कैरियर के बारे में बतायेंगे।

नर्सिंग

नर्सिंग क्या है?

नर्सिंग चिकित्सा क्षेत्र का वो महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसपर पर इलाज व्यवस्था निर्भर है।

नर्सिंग क्यों?

पूरे विश्व में नर्सिंग की विशेष पहचान है। समाजसेवा के साथ-साथ, नर्सिंग युवाओं की पहली पसंद और रोजगार का उभरता हुआ क्षेत्र बन रहा है जो आय के साथ आपको सम्मान का हकदार बनाता है।

नर्स कैसे बनें

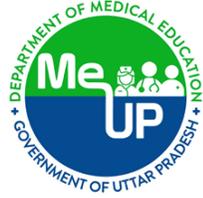
नर्स बनने के लिए आप डिप्लोमा या डिग्री में प्रवेश लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। एएनएम जैसे डिप्लोमा पाठ्यक्रम आपको स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में करियर बना सकते हैं। जीएनएम जैसे डिप्लोमा और बीएससी जैसे डिग्री कोर्स करके आप एक उत्कृष्ट स्टाफ नर्स बन सकते हैं। अलग-अलग कोर्स के लिए अलग-अलग निर्धारित योग्यता हैं। इसके बारे में अधिक जानकारी ब्रोशर पर उपलब्ध है।

नर्सिंग में अवसर

कई अन्य क्षेत्रों में नर्सों की अहम भूमिका है। मरीज की सेवा के अलावा, नर्सिंग शिक्षक बनकर आप युवा छात्र-छात्राओं को नर्सिंग की ट्रेनिंग दे सकते हैं। भारतीय सेना में जाकर देश सेवा का हिस्सा बन सकते हैं। कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर बनकर स्वास्थ्य व्यवस्था की पहचान बन सकते हैं।

विदेश में नर्सिंग में अपार संभावनाएं हैं। भारतीय नर्सों की विदेश में उत्कृष्ट पहचान है।

छात्र एवं छात्राओं के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करता है नर्सिंग।



नर्सिंग में औसत आय

निजी क्षेत्र में वेतन 15,000 रुपये प्रति माह और सरकारी क्षेत्र में 40,000 रुपये प्रति माह से शुरू होता है।

अब हम चलेंगे पैरामेडिकल की ओर

पैरामेडिकल

पैरामेडिकल क्या है?

पैरामेडिकल क्षेत्र चिकित्सा की रीढ़ है जो इलाज व्यवस्था को बिना रुकावट चलने में मदद करता है। ये क्षेत्र सभी परीक्षण, आँख की जाँच, एक्स-रे, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड, लैब टेक्नीशियन, रेडियोलॉजिस्ट, ऑप्टोमेट्रिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, ओटी टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन जैसी टेक्निकल जिम्मेदारियों को पूरा करता है।

पैरामेडिकल क्यों?

किसी के जीवन की उम्मीद बनता है तो किसी रोगी की लड़ाई में इलाज व्यवस्था का सारथी पैरामेडिकल जॉब प्रोफेशन के रूप में युवाओं के भविष्य को साकार कर रहा है।

पैरामेडिकल कैसे बनें

पैरामेडिकल बनने के लिए आप डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आपको विज्ञान में 10+2 पढ़नी होगी। विषय संयोजन पाठ्यक्रम पर निर्भर है।

पैरामेडिकल में अवसर

यूपी में पैरामेडिकल के 12000 से ज़्यादा नए सरकारी पद देंगे युवाओं के भविष्य को उड़ान। निजी क्षेत्र के संस्थानों में भी पैरामेडिकल की बड़ी संख्या में माँग है।

पैरामेडिकल में औसत आय

निजी क्षेत्र में वेतन 15,000 रुपये प्रति माह और सरकारी क्षेत्र में 19,900 रुपये प्रति माह से शुरू होता है।

आप सब के साथ कुछ वीडियो शेयर की जाएंगी। उन वीडियो में आपको कोई सारे नर्स और पैरामेडिकल की कहानी पता चलेगी।